NEWS CLIPPING: 10.04.2019

HINDUSTAN

शोध के दस साल बाद भारतीय बौद्धिक संपदा ने मौलिक खोज के लिए 20 वर्ष का पेटेंट दिया, वर्ष 2009 में वाईएमसीए की सहायक प्रोफेसर ने किया था शोध

गर्व: नया साफ्टवेयर लोगों को कॉल ड्राप से मुक्ति दिलाएगा

अच्छी खबर

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

मोबाइल पर बात करने के दौरान आवाज की खराब गुणवत्ता और स्वतः फोन कटने (कॉल ड्रॉप) से परेशान हैं तो आपके लिए अच्छी खबर है। वाईएमसीए विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर इंजीनियरिंग विभाग में तैनात सहायक प्रो. डॉ. सपना गंभीर ने अपने शोध में इसके कारणों की पड़ताल की है, जिसके निदान के लिए एक सॉफ्टवेयर तैयार किया है जो उपभोक्ताओं को कॉल ड्रॉप से मुक्ति दिलाएगा। इसके लिए भारत सरकार के भारतीय बौद्धिक संपदा ने 20 वर्ष के लिए पेटेंट भी दे दिया है। फिलहाल अब वे एक मोबाइल ऑपरेटर से संपर्क करने की कोशिश कर रही हैं ताकि वे मोबाइल टॉवर से जुड़ी प्रणाली में इस वर्ष के अंत तक सॉफ्टवेयर अपलोड कर ले, ताकि नेटवर्किंग की समस्या का समाधान हो।

सहायक प्रोफेसर डॉ. सपना गंभीर के मुताबिक वर्ष 2009 में उन्होंने अपनी पीएचडी के लिए शोध किया था। उन्होंने बताया कि मोबाइल पर बात करने के दौरान फोन स्वतः कट जाने का मुख्य कारण ओवर लैपिंग एरिया होता है। इसमें मोबाइल उपभोक्ता को सिग्नल नहीं मिल पाता है। इसका मुख्य कारण ऊंची इमारत, घनी आबादी सहित कई अन्य कारण हो सकता है। इसे ध्यान में रखते हुए एक ऐसा साफ्टवेयर तैयार किया है, जिससे मोबाइल उपभोक्ता को एक मोबाइल टावर से दूसरे मोबाइल टावर को डाटा को भेज कर जोड़ दिया जाएगा। इससे बातचीत के दौरान मोबाइल स्वतः नहीं कटेगा और आवाज की गुणवत्ता भी बेहतर होगी।

उन्होंने बताया कि इसके लिए भारत सरकार से स्वीकृति मिल गई है। इसे अंतिम रुप देने के लिए मोबाइल ऑपरेटर से संपर्क किया जा रहा है। सबकुछ ठीक रहा तो इस वर्ष के अंततक औपचारिकताएं पूरी कर मोबाइल टावर में यह साफ्टवेयर अपलोड कर दिया जाएगा। इसके नेटवर्किंग की समस्या दूर हो जाएगी।

फरीदाबाद स्थित जेसी बोस यूनिवर्सिटी की सहायक प्रोफेसर डॉ. सपना गंभीर को मंगलवार को कुलपति प्रोफेसर दिनेश ने पेटेंट प्रमाण पत्र दिया। • हिन्दुस्तान

500 उपभोक्ताओं के डेटा इकट्ठा कर शोध किया

डॉ. गंभीर ने बताया कि उन्होंने जामिया मिलिया इस्लामिया, वाईएमसीए विश्वविद्यालय, सेक्टर 17 सहित कई क्षेत्रों से करीब 500 मोबाइल उपभोक्ताओं का डाटा एकत्रित किया था। उन्होंने बताया कि शोध के दौरान मोबाइल में 3 जी डाटा का प्रयोग किया जाता था, अब 4 जी का प्रयोग किया जा रहा है। शोध के लिए 500 मोबाइल उपभोक्ताओं का डाटा एकत्रित किया था। बाद में नेटवर्क में मोबिलिटी एंकर प्वांट्स का चयन शीर्षक से पेटेंट के लिए आवेदन किया। डॉ. सपना की इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो. दिनेश कुमार, डीन इंस्टीट्यूशन डॉ. संदीप कम्प्यूटर विभाग के अध्यक्ष डॉ. कोमल कुमार ने उन्हें बधाई दी है।

NEWS CLIPPING: 10.04.2019

HINDUSTAN

वाईएमसीए देश के टॉप 150 इंजीनियरिंग संस्थान में

उपलब्धि

फरीदाबाद | **वरिष्ठ संवाददाता**

जेसी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (वाईएमसीए) ने इंजीनियरिंग संस्थानों की श्रेणी में राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग (एनआईआरएफ-2019) में एक बाद फिर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। वाईएमसीए राज्य सरकार की ओर से संचालित पहला इंजीरियरिंग संस्थान है, जो देश के टॉप 150 इंजीनियरिंग संस्थानों में एक है। विश्वविद्यालय को इस श्रेणी में 144 वां स्थान मिला है।

यूनिवर्सिटी के प्रवक्ता के मुताबिक केंद्रीय मानव संस्थान विकास मंत्रालय की ओर से राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की तरफ से सोमवार को रैंकिंग रिपोर्ट जारी की गई। इसमें करीब चार हजार से अधिक शिक्षण संस्थाओं ने हिस्सा लिया था। इसमें से वाईएमसीए विश्वविद्यालय को इंजीनियरिंग के क्षेत्र में 144वीं रैंक मिली है। वहीं केंद्र सरकार की ओर से संचालित कुरूक्षेत्र का एनआईटी ने भी टॉप 150 में जगह बनाई है।

रिपोर्ट

- इंजीनियरिंग संस्थानों की श्रेणी में 144 वां स्थान मिला
- विश्वविद्यालय की उपलब्धि पर कुलपति ने बधाई दी

विश्वविद्यालय के प्रवक्ता के मुताबिक रैंकिंग की इस प्रक्रिया में प्रदेश के विभिन्न जिले से करीब 25 शिक्षण संस्थानों ने हिस्सा लिया था। मालूम हो कि विश्वविद्यालय को पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रगति रिपोर्ट के मापदंड पर यह रैंकिंग मिली है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने सभी संकाय सदस्यों, अधिकारियों व कर्मचारियों को बधाई दी है।

NEWS CLIPPING: 10.04.2019

PUNJAB KESARI

डॉ. सपना गंभीर को मौलिक खोज के लिए मिला पेटेंट

फरीदाबाद, 9 अप्रैल (ब्यूरो): जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के कम्प्यूटर इंजीनियरिंग विभाग में सहायक प्रोफेसर डॉ. सपना गंभीर को टेलीकॉम क्षेत्र में कॉल व कनेक्टिविटी सेवाओं में सुधार लाने के लिए उनकी खोज को पेटेंट दिया गया है। यह पेटेंट भारत सरकार के भारतीय बौद्धिक संपदा पेटेंट कार्यालय में 'मोबाइल नेटवर्क में मोबिलिटी एंकर प्वाइंट्स का चयन' शीर्षक से पेटेंट संख्या 309674 के साथ अगले 20 वर्षों के लिए जारी किया गया है। डॉ. सपना गंभीर विश्वविद्यालय की पहली महिला संकाय सदस्य है, जिसे भारतीय पेटेंट कार्यालय द्वारा पेटेंट प्राप्त हुआ है, जिसके लिए वर्ष 2009 में आवेदन किया गया था।

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने डॉ. सपना को उनकी खोज एवं उपलब्धि के लिए बधाई दी है।

पंजाब केसरी ई-पेपर Wed, 10 https://

NEWS CLIPPING: 10.04.2019

AMAR UJALA

कॉल-कनेक्टिवटी सेवाओं में होगा सुधार

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग की सहायक प्रोफेसर डा. सपना गंभीर को टेलीकॉम क्षेत्र में कॉल व कनेक्टिविटी सेवाओं में सुधार लाने के लिए उनकी खोज को पेटेंट दिया गया है। यह पेटेंट भारत सरकार के भारतीय बौद्धिक संपदा पेटेंट कार्यालय में 'मोबाइल नेटवर्क में मोबिलिटी एंकर प्वाइंट्स का चयन' शीर्षक से अगले 20 वर्षों के लिए जारी किया गया है। वह पहली महिला संकाय सदस्य है, जिसे भारतीय पेटेंट कार्यालय द्वारा पेटेंट प्राप्त हुआ है। इसके लिए वर्ष 2009 में आवेदन किया गया था। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने डा. सपना को उनकी खोज के लिए बधाई दी है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय शोध संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा अनुसंधान संवर्धन बोर्ड का गठन किया गया है। प्रत्येक क्षेत्र में इनोवेशन व उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ अकादमिक-औद्योगिक सहभागिता पर बल दिया जा रहा है।

NEWS CLIPPING: 10.04.2019

DAINIK JAGRAN

जेसी बोस विवि को मिला 144वां स्थान मिला

एनआइआरएफ रैंकिंग

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद: राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क द्वारा जारी की 150 इंजीनियर संस्थानों की रैंकिंग सूची में जेसी बोस विश्वविद्यालय स्थान पाने में एक बार फिर कामयाब रहा है।

केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा जारी की गई एनआइआरएफ-2019 रैंकिंग, जिसकी घोषणा एक दिन पहले राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद द्वारा की गई थी। इसमें इस वर्ष चार हजार से ज्यादा शिक्षण संस्थानों ने हिस्सा लिया था। विश्वविद्यालय को इंजीनियरिंग श्रेणी में 144वां स्थान हासिल हुआ है। रैंकिंग में केंद्र सरकार द्वारा संचालित एनआइटी, कुरुक्षेत्र तथा निफ्टम, सोनीपत भी शीर्ष 150 शिक्षण संस्थानों में जगह बनाने में सफल रहे। रैंकिंग प्रक्रिया में हरियाणा से 25 शिक्षण संस्थानों ने हिस्सा लिया था। विश्वविद्यालय को विगत तीन वर्षों की अवधि के दौरान प्रगति रिपोर्ट के स्तरीय मापदंड के आधार पर रैंकिंग में जगह मिली है। एनआइआरएफ-2019 रैंकिंग हासिल करने पर प्रसन्नता जताते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने सभी संकाय सदस्यों, अधिकारियों व कर्मचारियों को बधाई दी है। विश्वविद्यालयों व उच्च शिक्षा के संस्थानों को रैंकिंग देने के लिए राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क की शुरुआत की गई है, जिसमें अकादमिक, तकनीकी व अनुसंधान संस्थानों को विभिन्न मानदंडों के आधार पर परखा जाता है।

NEWS CLIPPING: 10.04.2019

PUNJAB KESARI

जेसी बोस वि.वि. को मिला 150वां स्थान

फरीदाबाद, 9 अप्रैल (ब्यूरो) राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फेमवर्क द्वारा जारी की 150 इंजीनियर संस्थानों की रैंकिंग सूची में जेसी बोस विश्वविद्यालय स्थान पाने में एक बार फिर कामयाब रहा है।

केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा जारी की गई एनआइआरएफ-2019 रैंकिंग, जिसकी घोषणा एक दिन पहले राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद द्वारा की गई थी। इसमें इस वर्ष चार हजार से ज्यादा शिक्षण संस्थानों ने हिस्सा लिया था। विश्वविद्यालय को इंजीनियरिग श्रेणी में 144वां स्थान हासिल हुआ है। रैंकिंग में केंद्र सरकार द्वारा संचालित एनआइटी, कुरुक्षेत्र तथा निफ्टम, सोनीपत भी शीर्ष 150 शिक्षण संस्थानों में जगह बनाने में सफल रहे।

रैंकिंग प्रक्रिया में हरियाणा से 25 शिक्षण संस्थानों ने हिस्सा लिया था। विश्वविद्यालय को विगत तीन वर्षो की अवधि के दौरान प्रगति रिपोर्ट के स्तरीय मापदंड के आधार पर रैंकिंग में जगह मिली है।

पंजाब केसरी ई-पेपर Wed, 10 . https://

NEWS CLIPPING: 10.04.2019

NAVBHARAT TIMES

खोज को कराया पेटेंट

एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद : जेसी बोस (वाईएमसीए) यूनिवर्सिटी के कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग में सहायक प्रोफेसर डॉ.सपना गंभीर ने कॉल व कनेक्टिविटी सेवाओं में सुधार के लिए नई खोज की थी। उसे उन्होंने भारतीय बौद्धिक संपदा पेटेंट कार्यालय में मोबाइल नेटवर्क में मोबिलिटी एंकर प्वाइंट्स का चयन शीर्षक से पेटेंट कराया है। डॉ.सपना गंभीर यूनिवर्सिटी की पहली महिला प्रोफेसर हैं, जिनकी खोज को पेटेंट नंबर मिला है। दिनेश कुमार ने कहा कि उनकी खोज से टेलीकॉम सेवाओं में कॉल व कनेक्टिविटी की गुणवत्ता में सुधार लाया जा सकता है। वहीं जेसी बोस यूनिवर्सिटी राज्य सरकार की तरफ से संचालित पहला ऐसा इंजीनियरिंग संस्थान है, जो देश के शीर्ष 150 इंजीनियरिंग संस्थानों में शामिल हुआ है।

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR (1969-2019)

NEWS CLIPPING: 10.04.2019

DAINIK BHASKAR

एनआईआरएफ-2019 रैंकिंग में देश में मिला 144वां स्थान

जेसी बोस विश्वविद्यालय देश के 150 शीर्ष इंजीनियरिंग संस्थानों में शामिल

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

जेसी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (वाईएमसीए) ने इंजीनियरिंग संस्थानों के लिए राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ-2019) की ओर से जारी रैंकिंग में एक बार फिर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। विश्वविद्यालय राज्य सरकार की ओर से संचालित ऐसा पहला इंजीनियरिंग संस्थान है, जो देश के शीर्ष 150 इंजीनियरिंग संस्थानों में शामिल हुआ है।

केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय की ओर से जारी की गई एनआईआरएफ-2019 रैंकिंग, जिसकी घोषणा एक दिन पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने की थी। इसमें इस वर्ष चार हजार से ज्यादा शिक्षण संस्थानों ने हिस्सा लिया था। विश्वविद्यालय को इंजीनियरिंग श्रेणी में 144वीं रैंक हासिल हुई है जो हरियाणा का एकमात्र राजकीय शिक्षण संस्थान है। रैंकिंग में केंद्र सरकार की ओर से संचालित एनआईटी, कुरुक्षेत्र तथा निफ्टम, सोनीपत भी शीर्ष 150 शिक्षण संस्थानों में जगह

बनाने में सफल रहे। रैंकिंग प्रक्रिया में हरियाणा से 25 शिक्षण संस्थानों ने हिस्सा लिया था। विश्वविद्यालय को तीन वर्षों की अवधि के दौरान प्रगति रिपोर्ट के स्तरीय मापदंड के आधार पर रैंकिंग में जगह मिली है। एनआईआरएफ-2019 रैंकिंग हासिल करने पर कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा की गुणवत्ता व अनुसंधान को लेकर निरंतर कार्य कर रहा है। इसके परिणाम स्वरूप आगामी वर्षों में विश्वविद्यालय बेहतर परिणाम लाने में सफल होगा। देश में विभिन्न यूनिवर्सिटी व उच्च शिक्षा के संस्थानों को रैंकिंग देने के लिए राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क की शुरुआत की गई है। इसमें अकादमिक, तकनीकी व अनुसंधान संस्थानों को विभिन्न मानदंडों के आधार पर परखा जाता है।

वाईएमसीए की डा. सपना की नई खोज को मिला पेटेंट

कॉल ड्रॉप की समस्या को कम किया जा सकेगा

यूनिवर्सिटी की पहली महिला सदस्य जिनकी खोज को पेटेंट मिला

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी यूनिवर्सिटी (वाईएमसीए) के कम्प्यूटर इंजीनियरिंग विभाग की सहायक प्रोफेसर डा. सपना गंभीर को टेलीकाम क्षेत्र में काल व कनेक्टिविटी सेवाओं में सुधार लाने के लिए उनकी खोज को पेटेंट दिया गया है। यह पेटेंट भारत सरकार के भारतीय बौद्धिक संपदा पेटेंट कार्यालय में 'मोबाइल नेटवर्क में मोबिलिटी एंकर प्वाइंट्स का चयन' शीर्षक से दिया गया है। पेटेंट के बारे में डा. सपना ने बताया कि किसी तरह से एक उपभोक्ता की दैनिक दिनचर्या का मूल्यांकन कर काल में होने वाली रुकावट या कॉल ड्रॉप की समस्या को कम किया जा सकता है। उन्होंने कहा टेलीकाम प्रणाली में काल ड्राप एक प्रमुख समस्या है, जिससे उपभोक्ता प्रभावित होते हैं।

डा. सपना गंभीर विश्वविद्यालय की पहली महिला संकाय सदस्य है, जिन्हें भारतीय पेटेंट कार्यालय की ओर से पेटेंट प्राप्त हुआ है। इसके लिए वर्ष 2009 में आवेदन किया गया था। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार व डीन इंस्टीट्यूशंस डा. संदीप ग्रोवर तथा कम्प्यूटर इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष डा. कोमल कुमार भाटिया ने भी डा. सपना को बधाई दी है।